QUESTION BANK
CLASS 12TH
POLITICAL SCIENCE
UNIT-13
ASSERTION REASON QUESTIONS

Instructions:
Select the correct option for each Assertion-Reason question.
(A) Both assertion and reason are correct, and the reason is the correct explanation of assertion.
(B) Both assertion and reason are correct, but the reason does not explain the assertion.
(C) Assertion is correct, but the reason is incorrect.
(D) Assertion is incorrect, but the reason is correct.

निर्देश -:

प्रत्येक कथन-कारण(Assertion-Reason) प्रश्न के लिए सही विकल्प का चयन करें।

(A) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण अभिकथन की व्याख्या नहीं करता।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
(D) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।

QUESTIONS-

1. **Assertion (कथन):** The economic crisis of the early 1970s significantly contributed to the political instability that led to the Emergency.
   1970 के दशक के प्रारंभ में आर्थिक संकट ने राजनीतिक अस्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसके कारण आपातकाल लागू हुआ।

   Reason (कारण): Inflation and rising unemployment created widespread public discontent, undermining the government's credibility.
   मुद्रास्फीति और बढ़ती बेरोजगारी ने आम जनता में व्यापक असंतोष पैदा किया, जिससे सरकार की विश्वसनीयता कमजोर हुई।

2. **Assertion (कथन):** The regional movements in Gujarat and Bihar highlighted deep-rooted dissent against central policies before the Emergency.
   आपातकाल से पूर्व गुजरात और बिहार के क्षेत्रीय आंदोलनों ने केंद्रीय नीतियों के खिलाफ गहरे स्तर के असंतोष को उजागर किया।

   Reason (कारण): Local economic hardships and political marginalization primarily fueled these movements.
   स्थानीय आर्थिक कठिनाइयाँ और राजनीतिक उपेक्षा ने मुख्य रूप से इन आंदोलनों को प्रेरित किया।

3. **Assertion (कथन):** The conflict between the judiciary and the executive was a defining feature of the Emergency period.
आपातकाल के दौरान न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष एक महत्वपूर्ण विशेषता थी। |

Reason (कारण): Judicial interventions against executive decisions underscored tensions between constitutional safeguards and authoritarian measures.
कार्यकारी निर्णयों के खिलाफ न्यायिक हस्तक्षेप ने संवैधानिक सुरक्षा और अधिनायकवादी उपायों के बीच तनाव को उजागर किया।

4. **Assertion (कथन):** The declaration of Emergency led to an immediate curtailment of civil liberties in India. आपातकाल की घोषणा ने भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं को तुरंत सीमित कर दिया।

Reason (कारण): The government suspended freedoms such as speech and assembly to restore and maintain public order.
सरकार ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभिव्यक्ति और सभा की स्वतंत्रता निलंबित कर दी।

5. **Assertion (कथन):** The political crisis during the Emergency was largely exacerbated by the government's heavy-handed approach to dissent.
आपातकाल के दौरान राजनीतिक संकट मुख्यतः सरकार के कठोर रवैये के कारण और बढ़ा।

Reason (कारण): Suppressing dissent intensified internal conflicts and deepened political turmoil.
विरोध को दबाने से आंतरिक संघर्ष और राजनीतिक उथल-पुथल में वृद्धि हुई।

6. **Assertion (कथन):** The economic mismanagement before the Emergency weakened the government's position considerably.
आपातकाल से पूर्व के आर्थिक कुप्रबंधन ने सरकार की स्थिति को काफी कमजोर कर दिया था।

Reason (कारण): Fiscal mismanagement along with rising poverty reduced public confidence in the ruling regime.
राजकोषीय कुप्रबंधन और बढ़ती गरीबी ने शासक व्यवस्था में जनता का विश्वास कम कर दिया।

7. **Assertion (कथन):** The judiciary's resistance during the Emergency played a crucial role in safeguarding constitutional norms.
आपातकाल के दौरान न्यायपालिका के विरोध ने संवैधानिक मानदंडों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Reason (कारण): By challenging executive orders, the judiciary maintained a check on authoritarian excesses.

कार्यकारी आदेशों को चुनौती देकर न्यायपालिका ने अधिनायकवादी अत्याचार पर नियंत्रण रखा।

8. **Assertion (कथन):** The Emergency period left no lasting impact on India's political institutions.
   आपातकाल ने भारत के राजनीतिक संस्थानों पर कोई स्थायी प्रभाव नहीं छोड़ा।
   Reason (कारण): Post-Emergency reforms and judicial interventions helped restore and even strengthen democratic processes.
   आपातकाल के बाद के सुधारों और न्यायिक हस्तक्षेपों ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बहाल और मजबूत किया।
9. **Assertion (कथन):** The Janata Government formed after the Emergency was able to ensure complete political stability.
   आपातकाल के बाद गठित जनता सरकार पूरी राजनीतिक स्थिरता ला सकी।
   Reason (कारण): Internal divisions and ideological conflicts hindered its long-term effectiveness.
   आंतरिक विभाजन और वैचारिक संघर्षों ने इसकी दीर्घकालिक प्रभावशीलता में बाधा डाली।
10. **Assertion (कथन):** The resounding defeat of the Congress party in the 1977 Lok Sabha elections was a direct consequence of Emergency policies.
    1977 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की भयंकर हार आपातकाल की नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम थी।)
    Reason (कारण): Voters reacted against the suspension of civil liberties and authoritarian practices during the Emergency.
    मतदाताओं ने आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं के निलंबन और अधिनायकवादी प्रथाओं के खिलाफ प्रतिक्रिया दी।
11. **Assertion (कथन):** The declaration of Emergency was primarily a response to external security threats.
    आपातकाल की घोषणा मुख्यतः बाहरी सुरक्षा खतरों के जवाब में की गई थी।
    Reason (कारण): In reality, the government justified it by citing internal disturbances and political unrest.
    वास्तव में, सरकार ने आंतरिक अशांति और राजनीतिक उथल-पुथल का हवाला दिया था।
12. **Assertion (कथन):** During the Emergency, economic disparities and socio-economic issues were largely neglected by the government. आपातकाल के दौरान आर्थिक विषमताओं और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को सरकार द्वारा काफी हद तक नजरअंदाज किया गया।
    Reason (कारण): The focus on consolidating political power overshadowed the need to address these issues.

राजनीतिक शक्ति को मजबूत करने पर ध्यान देने से इन मुद्दों को सुलझाने की आवश्यकता पीछे छूट गई।

13. **Assertion (कथन):** The conflict between the judiciary and the executive during the Emergency underscored the need for stronger constitutional safeguards.
आपातकाल के दौरान न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष ने मजबूत संवैधानिक सुरक्षा की आवश्यकता को उजागर किया।

Reason (कारण): The crisis revealed vulnerabilities in the system of checks and balances within the government.
संकट ने सरकार में नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था में कमजोरियों को उजागर किया।

14. **Assertion (कथन):** Modern Indian politics has completely repudiated the legacy of the Emergency.
आधुनिक भारतीय राजनीति में आपातकाल की विरासत को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया गया है।

Reason (कारण): Many reforms and judicial decisions continue to draw lessons from the Emergency, influencing current governance.
कई सुधार और न्यायिक निर्णय आज भी आपातकाल से मिले सबकों को संदर्भित करते हैं, जो वर्तमान शासन को प्रभावित करते हैं।

15. **Assertion (कथन):** The Janata Government effectively decentralized power after the Emergency.
आपातकाल के बाद जनता सरकार ने शक्ति का प्रभावी विकेंद्रीकरण किया।

Reason (कारण): Despite some initiatives, internal conflicts prevented significant devolution of power.
कुछ पहलों के बावजूद, आंतरिक संघर्षों ने शक्ति के वास्तविक विकेंद्रीकरण में बाधा डाली।

16. **Assertion (कथन):** The emergency measures have had a lasting impact on India's political culture.
आपातकालिक उपायों का भारतीय राजनीतिक संस्कृति पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है।

Reason (कारण): They have led to a persistent skepticism toward unchecked executive power and a demand for robust institutional checks.
इनसे बिना रोकटोक कार्यकारी शक्ति के प्रति स्थायी संशय और मजबूत संस्थागत नियंत्रण की मांग उत्पन्न हुई है।

17. **Assertion (कथन):** The declaration of Emergency was a constitutional anomaly with no legal basis.
आपातकाल की घोषणा एक संवैधानिक विसंगति थी जिसका कोई कानूनी आधार नहीं था।

Reason (कारण): It was made under the provisions of the Indian Constitution, even though its implementation was highly controversial.

यह भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत की गई थी, हालांकि इसका कार्यान्वयन अत्यधिक विवादास्पद था।

18. **Assertion (कथन):** The lessons learned from the Emergency have directly influenced subsequent electoral reforms in India.
आपातकाल से सीखे गए सबक ने भारत में बाद के चुनावी सुधारों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

Reason (कारण): Reforms were introduced to enhance transparency, accountability, and to prevent the abuse of emergency powers.
पारदर्शिता, जवाबदेही बढ़ाने और आपातकालीन शक्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सुधार लागू किए गए।

19. **Assertion (कथन):** Economic policies during the Emergency were designed primarily for long-term development.
आपातकाल के दौरान आर्थिक नीतियाँ मुख्यतः दीर्घकालिक विकास के लिए तैयार की गई थीं।|

Reason (कारण): In reality, the focus was on consolidating power and suppressing dissent rather than on sustainable economic growth.
वास्तव में, ध्यान स्थायी आर्थिक विकास की बजाय सत्ता के समेकन और विरोध को दबाने पर था।

20. **Assertion (कथन):** The post-Emergency political scenario witnessed a significant realignment of political forces in India. (आपातकाल के बाद की राजनीतिक स्थिति में भारत में राजनीतिक शक्तियों का महत्वपूर्ण पुनर्संरेखण हुआ।) |

Reason (कारण): The electoral backlash against the Congress party paved the way for new alliances and a more pluralistic political landscape. (कांग्रेस पार्टी के खिलाफ चुनावी पलटाव ने नई गठबंधनों और अधिक बहुलवादी राजनीतिक परिदृश्य के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple-choice Questions) (01 Mark)

1. Which economic factor is most often cited as having significantly contributed to the declaration of Emergency in India? / भारत में आपातकाल की घोषणा में किस आर्थिक कारक का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है?

A. Rising inflation and unemployment (बढ़ती मुद्रास्फीति और बेरोजगारी)

B. Over-industrialization (अत्यधिक औद्योगिकीकरण)

C. Stable economic growth (स्थिर आर्थिक विकास)

D. Decrease in foreign investments (विदेशी निवेश में कमी)

---

2. How did the movements in Gujarat and Bihar reflect the socio-political unrest before the Emergency? / गुजरात और बिहार की आंदोलनों ने आपातकाल से पूर्व सामाजिक-राजनीतिक अशांति को कैसे दर्शाया?

A. They demonstrated complete support for the government (सरकार के प्रति पूर्ण समर्थन प्रदर्शित किया)

B. They were localized protests without broader implications (केवल स्थानीय प्रदर्शन थे)

C. They signaled widespread public dissatisfaction and demands for reform (व्यापक जन असंतोष और सुधार की मांग का संकेत थे)

D. They were solely economic in nature (केवल आर्थिक प्रकृति के थे)

---

3. In what way did the conflict with the judiciary intensify tensions in the pre-Emergency period? / न्यायपालिका के साथ संघर्ष ने आपातकाल से पूर्व की स्थिति में तनाव को कैसे बढ़ाया?

A. It led to a complete shutdown of the judicial system (न्यायपालिका का पूर्णतया बंद हो जाना)

B. It undermined the checks and balances critical to democratic governance (लोकतांत्रिक शासन में आवश्यक संतुलन को कमजोर किया)

C. It resulted in the judiciary becoming fully independent (न्यायपालिका को पूरी स्वतंत्रता मिली)

D. It had no significant impact on the political scenario (राजनीतिक परिदृश्य पर इसका कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा)

4. Which factor best explains the crisis response of the government following the declaration of Emergency? / आपातकाल की घोषणा के बाद सरकार की संकट प्रतिक्रिया को सबसे अच्छे से कौन सा कारक समझाता है?

A. Immediate democratic reforms (तत्काल लोकतांत्रिक सुधार)

B. Centralization of power (सत्ता का केंद्रीकरण)

C. Strengthened federal structure (सुदृढ़ संघीय संरचना)

D. Enhanced judicial oversight (सुदृढ़ न्यायिक निगरानी)

5. What was one of the major consequences of the Emergency on Indian political institutions? / भारतीय राजनीतिक संस्थानों पर आपातकाल का एक प्रमुख परिणाम क्या था?

A. Strengthening of political parties (राजनीतिक दलों का सुदृढ़ीकरण)

B. Curtailment of civil liberties and democratic processes (नागरिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का हनन)

C. Expansion of federalism (संघवाद का विस्तार)

D. Enhanced role of local governments (स्थानीय सरकारों की बढ़ी भूमिका)

6. Which lesson from the Emergency is most often cited regarding the safeguarding of democratic institutions? / आपातकाल से लोकतांत्रिक संस्थानों की सुरक्षा के संदर्भ में कौन सा सबक सबसे अधिक उद्धृत किया जाता है?

A. The importance of strong central leadership (मजबूत केंद्रीय नेतृत्व का महत्व)

B. The need for an independent judiciary (स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकता)

C. The value of unregulated media (अनियंत्रित मीडिया का महत्व)

D. The benefits of authoritarian rule (तानाशाही शासन के लाभ)

7. How did the Lok Sabha Elections of 1977 serve as a turning point in post-Emergency Indian politics? / 1977 के लोकसभा चुनाव ने आपातकाल के बाद की भारतीय राजनीति में किस प्रकार महत्वपूर्ण मोड़ का कार्य किया?

A. By reinforcing the dominance of the ruling party (शासन में सत्ता के प्रभुत्व को पुनर्स्थापित कर)

B. By marking a decisive public repudiation of the Emergency (आपातकाल की निर्णायक जन निंदा को दर्शा कर)

C. By increasing support for centralized power (केंद्रीकृत सत्ता के लिए समर्थन बढ़ा कर)

D. By ignoring the Emergency's legacy (आपातकाल की विरासत की अनदेखी कर)

8. What was the primary challenge faced by the Janata Government after coming to power? / सत्ता में आने के बाद जनता सरकार को मुख्य रूप से किस चुनौती का सामना करना पड़ा?

A. Implementing widespread economic reforms (व्यापक आर्थिक सुधार लागू करना)

B. Managing internal ideological differences and coalition conflicts (आंतरिक वैचारिक मतभेदों और गठबंधन संघर्षों का प्रबंधन)

C. Maintaining complete continuity with the previous government (पिछली सरकार के साथ पूर्ण निरंतरता बनाए रखना)

D. Expanding military expenditure (सैन्य व्यय में वृद्धि करना)

9. How did the economic difficulties of the 1970s contribute to the political environment that allowed the declaration of Emergency? / 1970 के दशक की आर्थिक चुनौतियों ने उस राजनीतिक वातावरण में कैसे योगदान दिया जिससे आपातकाल की घोषणा संभव हुई?

A. Economic stability negated the need for drastic measures (आर्थिक स्थिरता ने कठोर कदमों की आवश्यकता को समाप्त कर दिया)

B. Economic challenges exacerbated public discontent, prompting strong governmental action (आर्थिक चुनौतियों ने जन असंतोष को बढ़ाया, जिससे कड़े सरकारी कदम उठाने पड़े)

C. Rapid economic growth reduced the necessity for central control (तेजी से आर्थिक विकास ने केंद्रीय नियंत्रण की आवश्यकता को कम कर दिया)

D. Minimal economic impact shifted focus solely to security concerns (न्यूनतम आर्थिक प्रभाव ने केवल सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया)

10. Which aspect of the Emergency highlighted the conflict between state power and individual rights? / आपातकाल के दौरान किस पहलू ने राज्य सत्ता और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संघर्ष को उजागर किया?

A. The role of the media (मीडिया की भूमिका)

B. The suspension of civil liberties (नागरिक स्वतंत्रताओं का निलंबन)

C. The decentralization of power (सत्ता का विकेंद्रीकरण)

D. The empowerment of local governments (स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाना)

11. How did the conflict between the executive and the judiciary during the Emergency expose broader constitutional challenges? / आपातकाल के दौरान कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संघर्ष ने व्यापक संवैधानिक चुनौतियों को कैसे उजागर किया?

A. It showcased a well-functioning system of checks and balances (संतुलन तंत्र की अच्छी प्रणाली को दर्शाता है)

B. It revealed vulnerabilities in constitutional safeguards against executive overreach (कार्यपालिका के अतिक्रमण के खिलाफ संवैधानिक सुरक्षा में कमजोरियाँ उजागर की)

C. It led to complete judicial independence (न्यायपालिका को पूर्ण स्वतंत्रता मिली)

D. It was irrelevant to constitutional discourse (संवैधानिक विमर्श से अप्रासंगिक था)

12. Which consequence of the Emergency had the most lasting impact on the Indian political system? / आपातकाल का भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पर कौन सा परिणाम सबसे स्थायी प्रभाव छोड़ गया?

A. Enhanced bureaucratic efficiency (नौकरशाही की कुशलता में वृद्धि)

B. Lasting erosion of democratic norms and civil liberties (लोकतांत्रिक मानदंडों और नागरिक स्वतंत्रताओं का स्थायी ह्रास)

C. Increased centralization of financial resources (वित्तीय संसाधनों का केंद्रीकरण)

D. Strengthened party loyalty within the ruling party (शासन में दल की वफादारी में वृद्धि)

13. Which political strategy adopted during the Emergency is considered a cautionary example for future administrations? / आपातकाल के दौरान अपनाई गई कौन सी राजनीतिक रणनीति

भविष्य की सरकारों के लिए चेतावनी का उदाहरण मानी जाती है?

A. Implementation of widespread economic reforms (व्यापक आर्थिक सुधार लागू करना)

B. Overreliance on authoritarian measures to suppress dissent (विरोध को दबाने के लिए तानाशाही उपायों पर अत्यधिक निर्भरता)

C. Promotion of regional political autonomy (क्षेत्रीय राजनीतिक स्वायत्तता का प्रचार)

D. Emphasis on coalition-building and consensus (सहयोग और सर्वसम्मति पर जोर)

14. How did the Janata Government attempt to address the legacy of the Emergency in its policy-making? / आपातकाल की विरासत से निपटने के लिए जनता सरकार ने अपनी नीतियों में किस प्रकार सुधार किए?

A. By continuing similar authoritarian practices (समान तानाशाही प्रथाओं को जारी रखकर)

B. By introducing reforms aimed at restoring democratic norms (लोकतांत्रिक मानदंडों को बहाल करने वाले सुधारों को लागू करके)

C. By ignoring past experiences and focusing solely on economic growth (पिछले अनुभवों की अनदेखी कर केवल आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करके)

D. By decentralizing power entirely to local bodies (पूरी तरह से सत्ता का विकेंद्रीकरण करके)

15. What does the political legacy of the Emergency suggest about the resilience of Indian democracy? / आपातकाल की राजनीतिक विरासत भारतीय लोकतंत्र के लचीलेपन के बारे में क्या संकेत देती है?

A. That democracy is inherently fragile (कि लोकतंत्र स्वाभाविक रूप से नाजुक है)

B. That even after authoritarian measures, democratic structures can eventually be restored (तानाशाही उपायों के बाद भी, लोकतांत्रिक संरचनाओं को पुनः स्थापित किया जा सकता है)

C. That authoritarianism permanently damages democratic institutions (कि तानाशाही लोकतांत्रिक संस्थाओं को स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त कर देती है)

D. That the Emergency had no lasting impact on democracy (कि आपातकाल का लोकतंत्र पर कोई स्थायी प्रभाव नहीं पड़ा)

16. Which lesson from the Emergency period has most influenced subsequent electoral reforms in India? / आपातकाल अवधि का कौन सा सबक भारत में बाद के चुनाव सुधारों पर सबसे अधिक प्रभावी रहा है?

A. Strengthening the role of the central government in elections (चुनावों में केंद्रीय सरकार की भूमिका को मजबूत करना)

B. Ensuring transparency and accountability in the electoral process (चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना)

C. Promoting single-party dominance (एकल-पार्टी प्रभुत्व को बढ़ावा देना)

D. Limiting the role of opposition parties (विपक्षी दलों की भूमिका को सीमित करना)

---

17. In what way did the conflict between the executive and the judiciary during the Emergency alter public perceptions of institutional integrity? / आपातकाल के दौरान कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संघर्ष ने संस्थागत अखंडता के प्रति जनता की धारणाओं को कैसे बदला?

A. It reinforced trust in all institutions (सभी संस्थानों में विश्वास को मजबूत किया)

B. It eroded confidence in the executive while boosting trust in the judiciary (कार्यपालिका पर विश्वास कम हुआ, जबकि न्यायपालिका में भरोसा बढ़ा)

C. It had no significant impact on public opinion (जनमत पर इसका कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा)

D. It led to widespread approval of authoritarian practices (तानाशाही प्रथाओं की व्यापक स्वीकृति हुई)

---

18. Which of the following best describes the government's crisis management approach during the declaration of Emergency? / आपातकाल की घोषणा के दौरान सरकार के संकट प्रबंधन दृष्टिकोण का सबसे उपयुक्त वर्णन कौन करता है?

A. Proactive and consultative (सक्रिय और परामर्शात्मक)

B. Reactive and authoritarian (प्रतिक्रियात्मक और तानाशाही)

C. Decentralized and inclusive (विकेंद्रीकृत और समावेशी)

D. Negotiated and consensus-driven (परस्पर सहमति पर आधारित)

---

19. What role did the economic policies during the Emergency play in shaping the political narrative of the period? / आपातकाल के दौरान लागू की गई आर्थिक नीतियों ने उस समय की राजनीतिक कथा को कैसे आकार दिया?

A. They helped to stabilize the economy and increase public confidence (इन्होंने अर्थव्यवस्था को स्थिर किया और जन विश्वास बढ़ाया)

B. They exacerbated economic difficulties, fueling further political discontent (इन्होंने आर्थिक चुनौतियों को बढ़ाया, जिससे राजनीतिक असंतोष और बढ़ा)

C. They were largely irrelevant to the political narrative (ये राजनीतिक कथा के लिए अप्रासंगिक थीं)

D. They primarily benefited small businesses and local economies (ये मुख्य रूप से छोटे व्यवसायों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को लाभान्वित करती थीं)

20. How can the rise of the Janata Government after the Emergency be interpreted as a reaction to the excesses of that period? / आपातकाल के अत्याचारों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में, जनता सरकार के उदय को आपातकाल के बाद के राजनीतिक विकास के रूप में कैसे देखा जा सकता है?

A. It signified a complete return to pre-Emergency policies (यह पूर्व-आपातकालीन नीतियों की पूरी वापसी को दर्शाता है)

B. It represented a deliberate shift towards greater political pluralism and accountability (यह अधिक राजनीतिक बहुलवाद और जवाबदेही की ओर जानबूझकर परिवर्तन को दर्शाता है)

C. It had no connection with the events of the Emergency (इनका आपातकाल की घटनाओं से कोई संबंध नहीं था)

D. It reinforced the trend of centralized authoritarian governance (इन्होंने केंद्रीकृत तानाशाही शासन के रुझान को मजबूत किया)

निश्चित उत्तरीय प्रश्न ***(One word/definite answer questions) (01 Mark)***

1. भारत में 1970 के दशक की शुरुआत में आपातकाल की ओर ले जाने वाली प्रमुख आर्थिक चुनौती क्या थी?
   What was the major economic challenge in early 1970s India that led to the Emergency?
2. आपातकाल से पूर्व गुजरात में शुरू हुए उस आंदोलन का नाम बताइए जिसने जन असंतोष को भड़काया।
   Name the Gujarat movement that fueled public dissent before the Emergency.
3. बिहार में सरकार के विरोध में उठे उस आंदोलन का नाम बताइए जिसने विपक्ष को संगठित किया।
   Name the Bihar movement that mobilized opposition against the government.
4. आपातकाल से पहले कार्यपालिका से संघर्ष में कौन सी संस्था केंद्र में थी?
   Which institution was central to the conflict with the executive before the Emergency?
5. आपातकाल घोषित करने के लिए किस संवैधानिक अनुच्छेद का उपयोग किया गया?
   Which constitutional article was used to declare the Emergency?
6. 1975 में आपातकाल की ओर ले जाने वाले आंतरिक संकट को किस शब्द से व्यक्त किया जाता है?
   Which single word describes the internal crisis leading to the Emergency in 1975?
7. आपातकाल से पूर्व धीमी आर्थिक वृद्धि को किस शब्द से जाना जाता है?
   What term describes the slow economic growth before the Emergency?
8. 1977 के लोकसभा चुनाव में कौन सी पार्टी विजयी हुई?
   Which political party won the 1977 Lok Sabha elections?

9. भारत में आपातकाल के अंत का प्रतीक कौन-सी घटना थी?
   Which event symbolized the end of the Emergency in India?
10. आपातकाल के दौरान किस सर्वोच्च न्यायिक निकाय को चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
    Which top judicial body faced challenges during the Emergency?
11. कौन-सी आर्थिक प्रणाली की विफलता ने आपातकाल से पहले संकट को बढ़ाया?
    Which economic system's failure contributed to the crisis before the Emergency?
12. आपातकाल के बाद जनता पार्टी ने किस वैचारिक मूल्य पर ज़ोर दिया?
    Which ideological value did the Janata Party emphasize post-Emergency?
13. आपातकाल के औचित्य को दर्शाने वाला एक शब्द क्या है?
    Which term justified the Emergency on grounds of internal security?
14. आपातकाल के दौरान किस राजनीतिक नेता की नीतियाँ आलोचना का केंद्र बनीं?
    Which political leader's policies were scrutinized during the Emergency?
15. आपातकाल के दौरान कौन-सी स्वतंत्रता निलंबित की गई थी?
    Which freedom was suspended during the Emergency?
16. आपातकाल के दौरान जन आंदोलनों की प्रकृति को एक शब्द में कैसे व्यक्त किया जाएगा?
    What one word describes the nature of public mobilization during the Emergency?
17. आपातकाल के दौरान कौन-सा संवैधानिक तत्व सीमित कर दिया गया था?
    Which constitutional element was curtailed during the Emergency?
18. आपातकाल के बाद किस विधायी निकाय का विघटन सत्ता परिवर्तन का संकेत था?
    Which legislative body's dissolution signaled a shift in power post-Emergency?
19. आपातकाल के दौरान कौन-सा ऐतिहासिक न्यायिक निर्णय संवैधानिक नैतिकता के लिए प्रसिद्ध है?
    Which judicial verdict during the Emergency is known for upholding constitutional morality?
20. आपातकाल के दीर्घकालिक प्रभावों और विरासत को दर्शाने वाला उपयुक्त शब्दांश या संकल्पना क्या है?
    Which term best represents the long-term impact and legacy of the Emergency?

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short answer questions) (02 Marks)

1. Discuss the economic conditions in India during the early 1970s that contributed to the imposition of Emergency. How did these conditions create a climate of political unrest? / 1970 के दशक की शुरुआत में भारत की आर्थिक परिस्थितियों पर चर्चा करें जिन्होंने आपातकाल को जन्म दिया और राजनीतिक अशांति का माहौल तैयार किया।
2. Analyze the impact of the Gujarat movement on public sentiment against the government prior to the Emergency. What were its key demands and outcomes? / आपातकाल से पूर्व सरकार के

खिलाफ जनभावनाओं पर गुजरात आंदोलन के प्रभाव का विश्लेषण करें। इसकी प्रमुख मांगें और परिणाम क्या थे?

3. Examine the role of the Bihar movement in shaping political opposition before the Emergency. In what ways did this movement contribute to the broader call for change? / आपातकाल से पहले राजनीतिक विरोध को आकार देने में बिहार आंदोलन की भूमिका की परीक्षा करें। इसने व्यापक परिवर्तन की मांग में किस प्रकार योगदान दिया?
4. Evaluate the conflict between the judiciary and the executive during the period leading up to the Emergency. How did this conflict influence the political landscape? / आपातकाल से पूर्व न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच के संघर्ष का मूल्यांकन करें। इस संघर्ष ने राजनीतिक परिदृश्य को कैसे प्रभावित किया?
5. Assess the constitutional provisions and legal mechanisms that were invoked during the declaration of Emergency. To what extent did these provisions legitimize the government's actions? / आपातकाल की घोषणा के दौरान जिन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनी तरीकों का उपयोग किया गया, उनका मूल्यांकन करें। ये प्रावधान सरकार की कार्यवाहियों को कितनी वैधता प्रदान करते हैं?
6. Critically analyze the government's crisis management strategy during the early days of the Emergency. What were the key measures implemented and how effective were they? / आपातकाल के प्रारंभिक दिनों में सरकार की संकट प्रबंधन रणनीति का आलोचनात्मक विश्लेषण करें। किन प्रमुख उपायों को लागू किया गया और उनकी प्रभावशीलता कैसी थी?
7. Discuss the immediate political consequences of the Emergency on India's democratic institutions. How did these consequences pave the way for subsequent political changes? / भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर आपातकाल के तात्कालिक राजनीतिक परिणामों पर चर्चा करें। इन परिणामों ने बाद के राजनीतिक परिवर्तनों के लिए कैसे आधार तैयार किया?
8. Examine the long-term effects of the Emergency on civil liberties in India. What lessons regarding citizen rights and state power can contemporary governance draw from this period? / भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं पर आपातकाल के दीर्घकालिक प्रभावों की परीक्षा करें। इस अवधि से आज के शासन को नागरिक अधिकारों और राज्य शक्ति के संदर्भ में कौन से सबक मिलते हैं?
9. Analyze the role of media during the Emergency. How did state control over the press affect public discourse and the dissemination of information? / आपातकाल के दौरान मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करें। प्रेस पर राज्य के नियंत्रण ने सार्वजनिक चर्चा और जानकारी के प्रसार को कैसे प्रभावित किया?
10. Evaluate the leadership style of the government during the Emergency. In what ways did it differ from traditional democratic leadership and what were its implications? / आपातकाल के दौरान सरकार की नेतृत्व शैली का मूल्यांकन करें। यह पारंपरिक लोकतांत्रिक नेतृत्व से किस प्रकार भिन्न थी और इसके क्या प्रभाव रहे?

11. Discuss the significance of the Lok Sabha Elections of 1977 in restoring democratic values in India. What factors contributed to the electoral outcome and subsequent political shift? / भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में 1977 के लोकसभा चुनाव का क्या महत्व रहा? चुनावी परिणाम और राजनीतिक परिवर्तन में किन कारकों का योगदान था?
12. Examine the challenges faced by the Janata Government in the aftermath of the Emergency. How did internal divisions and external pressures affect its governance? / आपातकाल के पश्चात जनतांत्रिक सरकार द्वारा सामना की गई चुनौतियों की परीक्षा करें। आंतरिक विभाजन और बाहरी दबावों ने इसके शासन को कैसे प्रभावित किया?
13. Assess the political legacy of the Emergency on subsequent governance in India. What long-lasting changes can be identified in India's political system post-Emergency? / भारत में आपातकाल की राजनीतिक विरासत का मूल्यांकन करें। आपातकाल के पश्चात भारत की राजनीतिक प्रणाली में कौन से दीर्घकालिक परिवर्तन देखे गए?
14. Critically discuss the concept of "internal disturbance" as the rationale for imposing the Emergency. Was this justification adequate in light of the events? / "आंतरिक अशांति" की अवधारणा पर आलोचनात्मक चर्चा करें, जिसे आपातकाल लगाने का औचित्य बताया गया था। क्या घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में यह औचित्य पर्याप्त था?
15. Analyze the interplay between economic policies and political instability during the Emergency period. How did economic mismanagement contribute to growing public discontent? / आपातकाल के दौरान आर्थिक नीतियों और राजनीतिक अस्थिरता के बीच के परस्पर संबंध का विश्लेषण करें। आर्थिक असफलताओं ने जन असंतोष में कैसे योगदान दिया?
16. Examine the role of dissent and underground political activities during the Emergency. In what ways did these forms of resistance influence later political developments? / आपातकाल के दौरान असहमति और भूमिगत राजनीतिक गतिविधियों की भूमिका की परीक्षा करें। इन विरोधी क्रियाओं ने बाद में राजनीतिक विकास को कैसे प्रभावित किया?
17. Discuss the implications of curtailing fundamental rights during the Emergency. How has this episode influenced debates on civil liberties in India in later years? / आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को सीमित करने के निहितार्थों पर चर्चा करें। इस घटना ने बाद में भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं पर चल रही बहस को कैसे प्रभावित किया?
18. Evaluate the impact of key political leadership decisions during the Emergency on India's subsequent electoral reforms. What institutional lessons were learned? / आपातकाल के दौरान प्रमुख राजनीतिक नेतृत्व के निर्णयों का भारत में बाद के चुनाव सुधारों पर प्रभाव का मूल्यांकन करें। कौन से संस्थागत सबक मिले?
19. Analyze the response of the judiciary to the challenges posed during the Emergency. How did judicial interventions contribute to the restoration of democratic norms? / आपातकाल के दौरान उठाई गई चुनौतियों के प्रति न्यायपालिका की प्रतिक्रिया का विश्लेषण करें। न्यायिक हस्तक्षेपों ने लोकतांत्रिक मानदंडों की पुनर्स्थापना में कैसे योगदान दिया?

20. Examine the overall impact of the Emergency on the evolution of India's democratic institutions. How did this period redefine the relationship between the state and its citizens? / भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास पर आपातकाल के समग्र प्रभाव की परीक्षा करें। इस अवधि ने राज्य और नागरिकों के बीच के संबंध को कैसे पुनर्परिभाषित किया?

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short answer questions) (03 Marks)

Question 1:

Discuss how the economic instability of the early 1970s contributed to the political environment that led to the declaration of Emergency.

1970 के दशक की शुरुआत में आर्थिक अस्थिरता ने किस प्रकार उस राजनीतिक माहौल को प्रभावित किया जिसने आपातकाल की घोषणा की नींव रखी?

Question 2:

Evaluate the influence of the Gujarat and Bihar movements in challenging the existing political order before the Emergency.

आपातकाल से पूर्व गुजरात और बिहार आंदोलनों ने स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती देने में किस प्रकार प्रभाव डाला, इसका मूल्यांकन करें।

Question 3:

Analyze the conflict between the judiciary and the executive in the years leading up to the Emergency. How did this conflict shape governmental decisions?

आपातकाल से पूर्व न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष का विश्लेषण करें। इस संघर्ष ने सरकारी निर्णयों को किस प्रकार आकार दिया?

Question 4:

Examine the role of economic factors in intensifying the political crisis that ultimately resulted in the declaration of Emergency.

उन आर्थिक कारणों की भूमिका का परीक्षण करें जिन्होंने राजनीतिक संकट को तीव्र किया और अंततः आपातकाल की घोषणा का कारण बने।

Question 5:

Evaluate the ways in which the unrest in Gujarat and Bihar served as a catalyst for the political decisions taken during the Emergency.

गुजरात और बिहार में असंतोष ने आपातकाल के दौरान लिए गए राजनीतिक निर्णयों के लिए उत्प्रेरक के रूप में किस प्रकार कार्य किया, इसका मूल्यांकन करें।

Question 6:

Analyze how the judiciary's resistance influenced the executive's approach during the pre-Emergency period.

आपातकाल से पूर्व अवधि में न्यायपालिका के विरोध ने कार्यपालिका के दृष्टिकोण को किस प्रकार प्रभावित किया, इसका विश्लेषण करें।

Question 7:

Discuss the manner in which economic challenges were utilized by political leaders to justify the imposition of Emergency.

राजनीतिक नेताओं द्वारा आपातकाल लगाई जाने की वैधता स्थापित करने हेतु आर्थिक चुनौतियों का किस प्रकार उपयोग किया गया, इस पर चर्चा करें।

Question 8:

Evaluate the crisis management strategies employed by the government during the declaration of Emergency.

आपातकाल की घोषणा के दौरान सरकार द्वारा अपनाई गई संकट प्रबंधन रणनीतियों का मूल्यांकन करें।

Question 9:

Analyze the short-term political consequences of the Emergency on India's democratic institutions.

भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों पर आपातकाल के तात्कालिक राजनीतिक परिणामों का विश्लेषण करें।

Question 10:

Evaluate the impact of the Emergency on the relationship between the judiciary and the government.

आपातकाल का न्यायपालिका और सरकार के बीच संबंध पर क्या प्रभाव पड़ा, इसका मूल्यांकन करें।

Question 11:

Discuss how the economic policies during the Emergency affected the common populace.

आपातकाल के दौरान अपनाई गई आर्थिक नीतियों का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ा, इस पर चर्चा करें।

Question 12:

Evaluate the role of dissent in Gujarat and Bihar as a precursor to the political turmoil preceding the Emergency.

गुजरात और बिहार में विद्रोह की भूमिका, जो आपातकाल से पहले के राजनीतिक उथल-पुथल की शुरुआत थी, का मूल्यांकन करें।

Question 13:

Analyze the factors that intensified the conflict between the judiciary and the executive during the Emergency period.

आपातकाल अवधि के दौरान न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष को तीव्र करने वाले कारकों का विश्लेषण करें।

Question 14:

Evaluate the government's response during the crisis that led to the declaration of Emergency.

आपातकाल की घोषणा तक पहुँचने वाले संकट के दौरान सरकार की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करें।

Question 15:

Analyze the interplay between economic distress and political crisis in the context of the

Emergency.

आपातकाल के संदर्भ में आर्थिक संकट और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अंतःक्रिया का विश्लेषण करें।

Question 16:

Evaluate the lessons learned from the Emergency and how they have influenced subsequent policy reforms in India.

आपातकाल से प्राप्त सबक और उन सबकों का भारत में बाद के नीति सुधारों पर क्या प्रभाव पड़ा, इसका मूल्यांकन करें।

Question 17:

Analyze the significance of the 1977 Lok Sabha Elections in restoring democratic norms after the Emergency.

आपातकाल के बाद लोकतांत्रिक मानदंडों को बहाल करने में 1977 के लोकसभा चुनावों का महत्व विश्लेषित करें।

Question 18:

Evaluate the performance of the Janata Government in addressing the aftermath of the Emergency.

आपातकाल के बाद की स्थिति में जनता सरकार के प्रदर्शन का मूल्यांकन करें।

Question 19:

Discuss the long-term legacy of the Emergency in shaping the political landscape of modern India.

आधुनिक भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में आपातकाल की दीर्घकालिक विरासत पर चर्चा करें।

Question 20:

Evaluate how the combined economic and political challenges during the Emergency led to transformative changes in Indian governance.

आपातकाल के दौरान संयुक्त आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों ने भारतीय शासन व्यवस्था में परिवर्तनीय बदलाव कैसे लाए, इसका मूल्यांकन करें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long answer questions) (05Marks)

Question 1:

Examine in detail the economic context of the early 1970s and discuss how these conditions contributed to the political crisis that culminated in the declaration of Emergency.

1970 के दशक की शुरुआत के आर्थिक संदर्भ का विस्तार से परीक्षण करें और चर्चा करें कि कैसे इन परिस्थितियों ने आपातकाल की घोषणा तक पहुंचने वाले राजनीतिक संकट में योगदान दिया।

Question 2:

Analyze the dynamics of the Gujarat and Bihar movements and evaluate their roles in shaping public opinion and government policy during the pre-Emergency period.

गुजरात और बिहार आंदोलनों की गतिशीलता का विश्लेषण करें और यह मूल्यांकन करें कि कैसे इनका सार्वजनिक राय और आपातकाल से पूर्व सरकार की नीति को आकार देने में योगदान रहा।

Question 3:

Discuss in depth the conflict between the judiciary and the executive before and during the Emergency. How did this tension affect the rule of law and democratic processes in India?

आपातकाल से पूर्व और दौरान न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष पर गहराई से चर्चा करें। इस तनाव का भारत में कानून के शासन और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर क्या प्रभाव पड़ा?

Question 4:

Examine the crisis of governance that led to the declaration of Emergency. In your answer, apply relevant theoretical frameworks to analyze the interlinkages between economic distress and political instability.

आपातकाल की घोषणा का कारण बनी शासन की संकट स्थिति का विस्तार से परीक्षण करें। अपने उत्तर में, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बीच अंतःक्रियाओं के विश्लेषण हेतु संबंधित सैद्धांतिक ढांचों का उपयोग करें।

Question 5:

Evaluate the government's crisis management during the declaration of Emergency. How effective were the measures taken, and what lessons can be drawn for contemporary governance?

आपातकाल की घोषणा के दौरान सरकार द्वारा अपनाई गई संकट प्रबंधन नीतियों का मूल्यांकन करें। उठाए गए उपाय कितने प्रभावी थे, और वर्तमान शासन के लिए इससे क्या सबक लिए जा सकते हैं?

Question 6:

Analyze the immediate political and social consequences of the Emergency on the democratic institutions of India. In your discussion, include both positive and negative impacts.

भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों पर आपातकाल के तात्कालिक राजनीतिक और सामाजिक

परिणामों का विश्लेषण करें। अपनी चर्चा में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों को शामिल करें।

Question 7:

Discuss how economic challenges during the Emergency period were addressed by the government. Apply analytical tools to assess the long-term effects of these policies on economic governance.

आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा आर्थिक चुनौतियों का समाधान किस प्रकार किया गया, इस पर चर्चा करें। आर्थिक शासन पर इन नीतियों के दीर्घकालिक प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करें।

Question 8:

Examine the role of dissent, especially in regions like Gujarat and Bihar, and analyze its impact on shaping the narrative that led to the imposition of Emergency.

विशेष रूप से गुजरात और बिहार जैसे क्षेत्रों में विद्रोह की भूमिका का विस्तार से परीक्षण करें और यह विश्लेषण करें कि इसने आपातकाल लगाई जाने की दिशा में किस प्रकार की कथा को आकार दिया।

Question 9:

Evaluate the long-term impact of the conflict between the judiciary and the executive during the Emergency on India's constitutional framework.

आपातकाल के दौरान न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष का भारत के संवैधानिक ढांचे पर दीर्घकालिक प्रभाव का मूल्यांकन करें।

Question 10:

Analyze in detail the crisis response mechanisms adopted by the government during the Emergency. What were the key successes and failures, and how do they inform current crisis management strategies?

आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा अपनाई गई संकट प्रतिक्रिया प्रणालियों का विस्तार से विश्लेषण करें। प्रमुख सफलताएँ और विफलताएँ क्या थीं, और ये वर्तमान संकट प्रबंधन रणनीतियों को कैसे प्रभावित करती हैं?

Question 11:

Discuss the ways in which the declaration of Emergency altered the balance between civil liberties and state power. Provide an analytical assessment supported by examples from the period.

आपातकाल की घोषणा ने नागरिक स्वतंत्रताओं और राज्य शक्ति के बीच संतुलन को किस प्रकार बदल दिया, इस पर चर्चा करें। उस अवधि के उदाहरणों के साथ विश्लेषणात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करें।

Question 12:

Analyze how the experience of Emergency influenced political discourse and public policy in the subsequent decades in India.

आपातकाल के अनुभव ने भारत में बाद के दशकों में राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक नीति को कैसे प्रभावित किया, इसका विश्लेषण करें।

Question 13:

Examine the political repercussions of the Emergency on the functioning of India's democratic institutions, including the electoral process and parliamentary dynamics.

भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों के कार्य, जैसे चुनावी प्रक्रिया और संसदीय गतिशीलता पर आपातकाल के राजनीतिक परिणामों का विस्तार से परीक्षण करें।

Question 14:

Evaluate the role of media and public opinion during the Emergency period. How did these factors interact with governmental policies, and what lessons do they offer for modern democratic governance?

आपातकाल के दौरान मीडिया और सार्वजनिक राय की भूमिका का मूल्यांकन करें। ये कारक सरकार की नीतियों के साथ कैसे अंतःक्रिया करते थे, और आधुनिक लोकतांत्रिक शासन के लिए इनमें से क्या सबक प्राप्त होते हैं?

Question 15:

Discuss the evolution of political leadership post-Emergency, with a focus on the 1977 Lok Sabha Elections. Analyze how these elections reshaped India's political landscape.

आपातकाल के पश्चात राजनीतिक नेतृत्व के विकास, विशेष रूप से 1977 के लोकसभा चुनावों पर चर्चा करें। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे पुनर्परिभाषित किया, इसका विश्लेषण करें।

Question 16:

Examine the performance of the Janata Government in the wake of the Emergency. Analyze its major policy initiatives and the challenges it faced in restoring democratic norms.

आपातकाल के बाद जनता सरकार के प्रदर्शन का विस्तार से परीक्षण करें। इसके प्रमुख नीतिगत पहलों और लोकतांत्रिक मानदंडों को बहाल करने में सामने आई चुनौतियों का विश्लेषण करें।

Question 17:

Analyze the lessons learned from the Emergency and discuss their relevance to the protection of civil liberties in contemporary India.

आपातकाल से सीखे गए सबकों का विश्लेषण करें और यह चर्चा करें कि वे आधुनिक भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं के संरक्षण के लिए किस प्रकार प्रासंगिक हैं।

Question 18:

Examine in depth the interplay between economic policies and political authority during the Emergency, and evaluate how this interplay affected governance outcomes.

आपातकाल के दौरान आर्थिक नीतियों और राजनीतिक सत्ता के बीच अंतःक्रिया का गहन परीक्षण करें और मूल्यांकन करें कि इस अंतःक्रिया ने शासन के परिणामों को कैसे प्रभावित किया।

Question 19:

Discuss the transformation in India's political framework post-Emergency. Analyze how the events of that period have continued to influence political reforms and institutional checks and balances.

आपातकाल के पश्चात भारत के राजनीतिक ढांचे में हुए परिवर्तन पर चर्चा करें। विश्लेषण करें

कि उस अवधि की घटनाएँ कैसे लगातार राजनीतिक सुधारों और संस्थागत नियंत्रण-तौल को प्रभावित करती रही हैं।

Question 20:

Evaluate the overall legacy of the Emergency on modern Indian politics. In your answer, apply relevant theoretical perspectives to analyze its long-term effects on governance and democratic practices.

आधुनिक भारतीय राजनीति पर आपातकाल की समग्र विरासत का मूल्यांकन करें। अपने उत्तर में, शासन और लोकतांत्रिक प्रथाओं पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव का विश्लेषण करने हेतु संबंधित सैद्धांतिक दृष्टिकोणों का प्रयोग करें।

Case Study Based Questions

Case Study 1:

In the early 1970s, India's economy faced mounting challenges—high inflation, food shortages, and sluggish growth. These economic hardships created widespread discontent among the people. As unemployment rose and essential commodities became scarce, public confidence in the government's economic management began to wane. This financial instability not only deepened social unrest but also contributed to a political atmosphere ripe for drastic measures, setting the stage for the later declaration of Emergency.

1970 के दशक की शुरुआत में, भारत की अर्थव्यवस्था उच्च मुद्रास्फीति, खाद्य संकट और मंदी जैसी चुनौतियों से जूझ रही थी। इन आर्थिक कठिनाइयों ने जनता में व्यापक असंतोष पैदा किया। बेरोजगारी बढ़ने और आवश्यक वस्तुओं की कमी के कारण सरकार की आर्थिक प्रबंधन क्षमता पर जनता का भरोसा घटने लगा। इस वित्तीय अस्थिरता ने न केवल सामाजिक अशांति को बढ़ावा दिया, बल्कि एक ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार किया, जिसने बाद में आपातकाल की घोषणा के लिए आधार प्रदान किया।

Questions

1. **(1 Mark)**
   Identify one major economic challenge that India faced in the early 1970s.
   1970 के दशक की शुरुआत में भारत द्वारा सामना की गई एक प्रमुख आर्थिक चुनौती की पहचान करें।
2. **(1 Mark)**
   How did the economic hardships affect public trust in the government?
   आर्थिक कठिनाइयों ने सरकार पर जनता के भरोसे को कैसे प्रभावित किया?

3. **(1 Mark)**
   Name one consequence of the economic instability mentioned in the case study.
   इस केस स्टडी में वर्णित आर्थिक अस्थिरता का एक परिणाम नामित करें।
4. **(2 Marks)**
   Discuss how the economic crisis of the early 1970s contributed to the conditions that led to the declaration of Emergency. Provide specific examples from the case study.
   1970 के दशक की शुरुआत में आर्थिक संकट ने आपातकाल की घोषणा के लिए परिस्थितियाँ तैयार करने में कैसे योगदान दिया, इस पर चर्चा करें। केस स्टडी से विशिष्ट उदाहरण प्रदान करें।

Case Study 2:

During the period leading up to the Emergency, significant regional movements emerged in states like Gujarat and Bihar. These movements were fueled by issues such as economic disparity, unemployment, and demands for social justice. In Gujarat and Bihar, large groups of citizens protested against perceived governmental neglect and demanded reforms. This regional dissent not only highlighted local grievances but also contributed to a broader climate of political instability, thereby influencing national discourse on governance and rights.

आपातकाल से पूर्व के समय में, गुजरात और बिहार जैसे राज्यों में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय आंदोलन उभरे। इन आंदोलनों को आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय की मांग जैसे मुद्दों ने प्रज्वलित किया। गुजरात और बिहार में, बड़े पैमाने पर नागरिकों ने सरकार की उपेक्षा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए और सुधारों की मांग की। इस क्षेत्रीय असंतोष ने न केवल स्थानीय शिकायतों को उजागर किया, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक अस्थिरता के व्यापक माहौल में भी योगदान दिया, जिससे शासन और अधिकारों पर बहस तेज हुई।

Questions

1. **(1 Mark)**
   Which two states witnessed significant movements during this period?
   इस अवधि के दौरान किन दो राज्यों में महत्वपूर्ण आंदोलनों का साक्षी हुई?
2. **(1 Mark)**
   What were some of the key grievances of the protestors in these movements?
   इन आंदोलनों में प्रदर्शकों की कुछ मुख्य शिकायतें क्या थीं?
3. **(1 Mark)**
   How did these regional movements reflect the broader socio-political unrest of the time?
   ये क्षेत्रीय आंदोलन उस समय की व्यापक सामाजिक-राजनीतिक अशांति को कैसे दर्शाते हैं?
4. **(2 Marks)**
   Analyze the impact of the Gujarat and Bihar movements on the national political climate leading up to the Emergency. Provide details from the case study.
   आपातकाल से पहले के राष्ट्रीय राजनीतिक माहौल पर गुजरात और बिहार आंदोलनों के प्रभाव का विश्लेषण करें। केस स्टडी से विवरण प्रदान करें।

Case Study 3:

In the years preceding the Emergency, a significant conflict arose between the judiciary and the executive. The courts began asserting their independence by critically reviewing and, at times, overturning government decisions. This assertiveness underscored the vital role of judicial review in upholding the Constitution and maintaining checks and balances. The tension between these branches highlighted concerns about the concentration of power and the potential abuse of executive authority, thereby intensifying public debates about democratic governance.

आपातकाल से पहले के वर्षों में, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच एक महत्वपूर्ण संघर्ष उभर कर आया। अदालतों ने अपनी स्वतंत्रता का दावा करते हुए सरकार के फैसलों की आलोचनात्मक समीक्षा की और कभी-कभी उन्हें निरस्त भी कर दिया। इस सक्रियता ने संविधान की रक्षा और जांच और संतुलन बनाए रखने में न्यायिक समीक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। इन दोनों शाखाओं के बीच तनाव ने सत्ता के केंद्रीकरण और कार्यकारी प्राधिकरण के दुरुपयोग की संभावनाओं के बारे में चिंताएं बढ़ाईं, जिससे लोकतांत्रिक शासन पर सार्वजनिक बहस तेज हुई।

Questions

1. **(1 Mark)**
   What step did the judiciary take to assert its independence during the pre-Emergency period?
   आपातकाल से पूर्व के समय में अपनी स्वतंत्रता का दावा करने के लिए न्यायपालिका ने क्या कदम उठाया?
2. **(1 Mark)**
   Mention one instance of conflict between the judiciary and the government as described in the case study.
   इस केस स्टडी में वर्णित न्यायपालिका और सरकार के बीच संघर्ष का एक उदाहरण बताएं।
3. **(1 Mark)**
   Why is the concept of checks and balances crucial in a democratic system?
   लोकतांत्रिक प्रणाली में जांच और संतुलन की अवधारणा क्यों महत्वपूर्ण है?
4. **(2 Marks)**
   Evaluate the effects of the conflict between the judiciary and the executive on India's democratic framework. Use details from the case study in your answer.
   भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संघर्ष के प्रभावों का मूल्यांकन करें। अपने उत्तर में केस स्टडी से विवरण का उपयोग करें।

Case Study 4:

On June 25, 1975, the Indian government declared a state of Emergency citing internal disturbances and threats to national security. This unprecedented move was taken amid a deepening political crisis, where dissent was being suppressed and media freedoms curtailed. The announcement led to widespread suspension of civil liberties, mass arrests of political opponents, and stringent

censorship measures. The government defended these actions as necessary steps to restore order and stabilize the nation, even as critics argued they undermined the democratic fabric of India.

25 जून, 1975 को, आंतरिक अशांतियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का हवाला देते हुए भारतीय सरकार ने आपातकाल की घोषणा कर दी। यह अभूतपूर्व कदम एक गहराते राजनीतिक संकट के बीच उठाया गया, जहां असंतोष को दबाया जा रहा था और मीडिया की स्वतंत्रता पर कठोर सेंसरशिप लगाई गई थी। इस घोषणा से नागरिक स्वतंत्रताओं का व्यापक निलंबन, राजनीतिक विरोधियों की बड़ी संख्या में गिरफ्तारी और कड़ी सेंसरशिप के उपाय लागू हो गए। सरकार ने इन कार्यवाहियों को व्यवस्था बहाल करने और राष्ट्र को स्थिर करने के लिए आवश्यक कदम बताया, जबकि आलोचकों ने तर्क दिया कि इससे भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को कमजोर किया गया।

Questions

1. **(1 Mark)**
   In which year was the Emergency declared?
   आपातकाल किस वर्ष घोषित किया गया था?
2. **(1 Mark)**
   What was one immediate consequence of the Emergency on civil liberties?
   नागरिक स्वतंत्रताओं पर आपातकाल का एक तत्काल परिणाम क्या था?
3. **(1 Mark)**
   What reason did the government give for declaring the Emergency?
   आपातकाल की घोषणा के लिए सरकार ने कौन सा कारण दिया?
4. **(2 Marks)**
   Discuss the crisis that led to the declaration of the Emergency and evaluate the government's response. How did these actions affect democratic practices?
   आपातकाल की घोषणा के लिए किस संकट ने रास्ता बनाया और सरकार की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करें। इन कार्यवाहियों का लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर क्या प्रभाव पड़ा?

Case Study 5:

After the tumultuous period of Emergency, India underwent significant political change. The 1977 Lok Sabha elections became a watershed moment when the electorate decisively rejected the ruling party, paving the way for the formation of the Janata Government. This period taught valuable lessons about the perils of unchecked power and the necessity of protecting civil liberties. The experience of the Emergency has since left a lasting legacy on Indian democracy, prompting reforms and a renewed commitment to the principles of accountability and balanced governance.

आपातकाल की उथल-पुथल के बाद, भारत में महत्वपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिले। 1977 के लोकसभा चुनाव एक निर्णायक मोड़ बन गए, जब मतदाताओं ने सत्तारूढ़ पार्टी को ठुकरा दिया, जिससे जनता सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस अवधि ने अनियंत्रित सत्ता के खतरों और नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा की आवश्यकता के बारे में महत्वपूर्ण सबक सिखाए।

आपातकाल के अनुभव ने तब से भारतीय लोकतंत्र पर स्थायी छाप छोड़ी है, जिससे सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाया गया और जवाबदेही एवं संतुलित शासन के सिद्धांतों के प्रति पुनः प्रतिबद्धता दर्ज की गई।

Bilingual Questions

1. **(1 Mark)**
   Which party emerged victorious in the 1977 Lok Sabha elections?
   1977 के लोकसभा चुनाव किस पार्टी ने जीते थे?
2. **(1 Mark)**
   What is one key lesson learned from the Emergency period?
   आपातकाल अवधि से सीखा गया एक मुख्य सबक क्या है?
3. **(1 Mark)**
   How did the Janata Government differ from the previous regime?
   जनता सरकार पिछले शासन से किस प्रकार अलग थी?
4. **(2 Marks)**
   Critically assess the political legacy of the Emergency on subsequent democratic reforms in India. Provide evidence from the case study in your answer.
   आपातकाल की राजनीतिक विरासत का भारत में बाद के लोकतांत्रिक सुधारों पर प्रभाव का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। अपने उत्तर में उपरोक्त केस स्टडी (case study) से साक्ष्य प्रस्तुत करें।